राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर)

National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER)
(Ministry of Chemicals and Fertilizers)
Sector 67, S.A.S. Nagar, Punjab
Ph. No. 0172-2214682,83, 88, 2292000

दिनांक : 10.11.2022

नाईपर फार्माकॉन

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), एसएएस नगर 10 से 12 नवंबर, 2022 तक "रीसेंट ट्रेंड्स एण्ड फ्यूचर ऑपरच्यूनिटीज़ इन फार्मास्युटिकल्स" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

इस संबंध में नाईपर संयोजन केंद्र में आज 10.11.2022 को उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया । आयोजन अध्यक्ष प्रो. दुलाल पांडा ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित किया और उनका स्वागत किया। इसके अतिरिक्त डॉ गिरीश साहनी, अध्यक्ष, बीओजी, नाईपर, एसएएस नगर तथा पूर्व डीजी-सीएसआईआर द्वारा संबोधन दिया गया। मंच पर मौजूद गणमान्य व्यक्तियों द्वारा फार्माकोन-2022 एब्सट्रैक्ट बुक का विमोचन किया गया। श्री। रजनीश टिंगल संयुक्त सचिव, औषध विभाग रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार विशिष्ट अतिथि थे।

प्रो. पी. बलराम, पद्म भूषण, पूर्व निदेशक, आईआईएससी, बेंगलुरु और चेयर प्रोफेसर, एनसीबीएस, बैंगलोर, मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में कुछ परिचयात्मक रिमार्क्स दिए तथा "कोन स्नेल वेनोम पेप्टाइड्स: करक्टेराइज़ेशन ऑफ़ कोनोप्रेसिन, एनालॉग्स ऑफ़ द पिट्यूटरी हार्मोन ऑक्सीटोसिन और वैसोप्रेसिन" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस वार्ता में, उन्होंने समुद्री कोन स्नेल वेनोम के जहर के उपयोग को औषधीय रूप से सक्रिय पेप्टाइड्स के एक समृद्ध स्रोत के रूप में वर्णित किया। उन्होंने इनमें से कई लघु पेप्टाइड्स के जैवभौतिकीय लक्षण वर्णन पर विस्तार से बताया।

श्री रजनीश टिंगल, संयुक्त सचिव, औषध विभाग ने अपने संबोधन में कहा की औषध विभाग अकादमी उद्योग साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए सभी नाईपरों के प्रयासों को प्रोत्साहित और समर्थन करता है। उन्होंने NIRF रैंकिंग में फार्मेसी के 10 शीर्ष संस्थानों में तीन नाईपरों के होने की भी सराहना की ।

उदघाटन समारोह में अन्य नाईपरों के निदेशक एवं संकाय सदस्यों के अलावा नज़दीकी संस्थानों के वैज्ञानिक भी शामिल थे। सम्मेलन में 900 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के विषय पर 12 तकनीकी सत्रों में अकादमिक और उद्योग के अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय वक्ता विचार-विमर्श करेंगे। । तकनीकी सत्र उन्नत दवा वितरण प्रणाली, एंटी(एएमआर) माइक्रोबियल प्रतिरोध-, कैंसर कीमोथेराप्युटिक्स ,फाइटोफार्मास्युटिकल्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स, इम्यूनोथेरेपी और जैविक, एपीआईस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा उपकरण,

सीएनएस रोग और सटीक दवाओं के विषयों पर आधारित हैं। सम्मलेन में वक्ता अकादमी, उद्योग जगत एवं स्टार्ट अप्स से हैं। सम्मेलन की एक अनूठी विशेषता फार्मा उद्योग से बड़ी संख्या में वक्ताओं की भागीदारी है, ताकि सस्ती स्वास्थ्य सेवा के लिए अकादमिक-उद्योग सहयोग को मजबूत किया जा सके।

पीएचडी छात्रों, पोस्ट डॉक्टरेट शोधकर्ताओं और युवा संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत सार से चार तकनीकी सत्र और 6 लघु मौखिक प्रस्तुतियों का चयन किया गया है। आज 18 वक्ताओं द्वारा अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में प्रस्तुति दी गयी। सत्रों को समानांतर तरीके से दो स्थानों पर आयोजित किया गया था। नवोदित वैज्ञानिकों द्वारा पोस्टर प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। प्रत्येक सत्र में सर्वश्रेष्ठ मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

तकनीकी सत्र 1 के दौरान, दक्षिण अफ्रीका के विटवाटरसैंड विश्वविद्यालय के याहया ई चूनारा ने न्यूरोथेरेप्यूटिक नैनोमेडिसिन: द अननेर्विंग थॉट ऑफ़ “मेटर ओवर माइंड” के बारे में व्याख्यान दिया गया। इसके बाद वंदना बी. पत्रवले, आईसीटी, मुंबई द्वारा व्याख्यान दिया गया । उन्होंने "कोरोनरी इंटरवेंशन के लिए ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट: अवसर और चुनौतियां" विषय पर व्याख्यान दिया। जामिया हमदर्द, नई दिल्ली के प्रो. फरहान जे. अहमद ने “इमर्जिंग ओपरचियुनिटीज़ इन एडवांस्ड ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स” पर व्याख्यान दिया। डॉ रेड्डीज लैब, हैदराबाद के डॉ अनुराग सूद ने "पेशेंट सेंट्रिक इनोवेटिव एंड डिफरेनशियेटेड प्रोडक्ट्स: अ वे टू फुलफिल अनमेट पेशेंट नीद” पर प्रस्तुति दी । प्रो. इंदु पाल कौर, यूआईपीएस, पी.यू., चंडीगढ़ ने "इनोवेशन टू रियलिटी यूजिंग नेनोसिस्टम्स: एक्साम्पल्स फ्रॉम माय लैब” पर अपनी बात रखी।

तकनीकी सत्र 2 के दौरान, युनिवर्सिटी कैनसस मेडिकल सेंटर, यूएसए के डॉ. इंद्रनील बिस्वास, आईआईटी मुंबई के प्रो. अनिर्बान बनर्जी ने "साइटोसोल एज़ बैटलग्राउंड इन होस्ट - पैथोजन इंटरेक्शन" पर अपनी बात रखी। इम्टेक, चंडीगढ़ के डॉ. संजीव खोसला ने "माइकोबैक्टीरियल संक्रमण के मॉड्यूलेशन में हिस्टोन मिथाइलट्रांसफेरेज़, SUV39H1, की भूमिका" पर व्याख्यान दिया। सीडीआरआई, लखनऊ के डॉ. सिद्धार्थ चोपड़ा ने “डिसकवरिंग ड्रग्स फॉर बेड बग्स: प्रोग्रेस अमोंग चैलेंजेज” पर अपना भाषण दिया। जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ. शैलजा सिंह ने "एआरटी-प्रतिरोधी मलेरिया परजीवी में एक उत्तरजीविता रणनीति के रूप में साइटोप्रोटेक्टिव ऑटोफैगी" पर अपनी बात रखी।

तकनीकी सत्र 3 के दौरान, नाईपर, एस.ए.एस नगर के प्रो. दुलाल पांडा ने "ट्यूबुलिन लक्षित कैंसर रोधी दवाओं" पर व्याख्यान दिया। आईआईटी, कानपुर से डॉ. बुशरा अतीक ने "प्रोस्टेट कैंसर के आणविक लक्षण वर्णन: भारत में सटीक दवा की संभावनाएं" पर अपनी व्याख्यान दिया । ऑरिजीन, बैंगलोर के डॉ. सुशांत समजदार ने "नए तौर-तरीकों के रूप में लक्षित प्रोटीन क्षरण (टीपीडी) का उपयोग करके विभिन्न दवा खोज चुनौतियों पर काबू पाने" पर एक व्याख्यान दिया। एनसीसीएस, पुणे के डॉ मानस कुमार सांतरा ने भी व्याख्यान प्रस्तुत किया।

तकनीकी सत्र 4 की शुरुआत पतंजलि अनुसंधान संस्थान, हरिद्वार के डॉ. अनुराग वार्ष्णेय के व्याख्यान से हुई। उन्होंने "जड़ों से दूर जाना: अश्वगंधा (विथानिया सोम्निफेरा) हवाई भागों के औषधीय और विष विज्ञान संबंधी आकलन" पर बात की। आईआईआईएम, जम्मू के डॉ. संदीप बी भारते ने "फाइटोफार्मास्युटिकल्स: भारत में पारंपरिक चिकित्सा के उत्थान के लिए एक नई आशा" पर व्याख्यान दिया। नाबी (NABI), मोहाली के डॉ महेंद्र बिश्नोई ने "मोटापा चिकित्सा विज्ञान के लिए क्षणिक रिसेप्टर क्षमता (TRP) चैनल ट्रायगोनिस्ट आधारित संयोजन न्यूट्रास्यूटिकल्स" पर लेक्चर दिया ।

प्रत्येक तकनीकी सत्र पैनल चर्चा के साथ समाप्त हुआ जहां वक्ताओं द्वारा प्रतिभागियों के संदेहों (doubts) को दूर किया गया।

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर)
National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER)
(Ministry of Chemicals and Fertilizers)
Sector 67, S.A.S. Nagar, Punjab
Ph. No. 0172-2214682,83, 88, 2292000

Date: 10.11.2022

PHARMACON-2022

The National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), SAS Nagar is organizing an International Conference on "Recent Trends and Future Opportunities in Pharmaceuticals" NIPER-PHARMACON-2022 from 10th to 12th November, 2022.

In this regard, the inauguration function was held in the NIPER Convention Centre today i.e. 10.11.2022. The Organizing Chairperson Prof. Dulal Panda addressed and welcomed the audience. Further there was an address by Dr. Girish Sahni, Chairperson BoG, NIPER, SAS Nagar, and former DG-CSIR. The PHARMACON-2022 Abstract Book was released by the dignitaries present on the dais. Sh. Rajneesh Tingal Joint Secretary, Department of Pharmaceuticals, MoC&F, GoI was the Guest of Honour.

Prof. P. Balaram, Padma Bhushan, Ex-Director, IISc, Bangalore and Chair Professor, NCBS, Bangalore, was the Chief Guest. He delivered few introductory remarks as a chief guest and further delivered a lecture on "Cone Snail Venom Peptides: Characterization of Conopressins, Analogs of the Pituitary Hormones Oxytocin & Vassopressin". In this talk, he described the use of marine cone snail venom as a rich source of pharmacologically active peptides. He elaborated on the biophysical characterization of several of these short peptides.

Shri Rajneesh Tingal in his address mentioned that the Department of Pharmaceuticals has been encouraging and supporting the efforts of all NIPERs in promoting academia-industry partnership. He also applauded the standing of three NIPERs among the top ten Pharmacy institutes in NIRF ranking.

There were Directors and faculty from other NIPERs and scientists from the neighboring institutes who attended the inaugural function. More than 900 national and international participants are attending the conference. International and National speakers from academia and industry will deliberate on the theme of the Conference in 12 technical sessions. The technical sessions are based on the themes of advanced drug delivery systems, anti-microbial resistance (AMR), cancer chemotherapeutics, phytopharmaceuticals and nutraceuticals, immunotherapy and biologicals, APIs, artificial intelligence, Medical devices, CNS diseases and precision medicines. The speakers are from academia, industry and startups. A unique feature of the conference

is the participation of a huge number of speakers from the pharma industry, in order to strengthen academia-industry collaboration for affordable healthcare.

There were **four technical sessions** and **6 short oral presentations** selected from the abstracts submitted by Ph.D students, post doctoral researchers and young faculty members. There were 18 speakers for the day who talked in their areas of expertise. The sessions were arranged on two venues in parallel fashion. There were posters presentations also made by the budding scientists. Prizes will be awarded to the best oral and poster presenters in each session.

During the **technical session 1**, Yahya E Choonara from University of Witwatersrand, South Africa gave a lecture on Neurotherapeutic nanomedicines: The unnerving thought of "matter over mind". It was followed by the talk of Vandana B. Patravale ICT, Mumbai. She gave a talk on "Drug eluting stents for coronary intervention: Opportunities and challenges". Prof. Farhan J. Ahmad from Jamia Hamdard, New Delhi gave a talk on "Emerging opportunities in advanced drug delivery systems (ADDS)", Dr. Anurag Sood from Dr Reddy's Lab, Hyderabad gave a talk on "Patient centric innovative & differentiated products: A way to fulfill unmet patient need". Prof. Indu Pal Kaur from UIPS, PU Chandigarh gave her talk on "Innovation to Reality using nanosystems: Examples from my Lab".

During the **technical session 2**, Dr. Indranil Biswas from University Kansas Medical Centre, USA gave a talk on "Developing novel antimicrobials against *Acinetobacter baumannii,* an atypical pathogen". Prof. Anirban Banerjee from IIT Mumbai gave his talk on "Cytosol as the battleground in host - pathogen interaction". Dr. Sanjeev Khosla from IMTECH, Chandigarh gave a talk on "Role of histone methyltransferase, SUV39H1, in modulation of mycobacterial infection". Dr. Sidharth Chopra from CDRI, Lucknow delivered his talk on "Discovering drugs for bad bugs: Progress amongst challenges!". Dr. Shailja Singh from JNU, New Delhi talked on "Cytoprotective autophagy as a pro-survival strategy in ART-resistant malaria parasites".

During the **technical session 3**, Prof. Dulal Panda from NIPER, SAS Nagar, gave a talk on "Tubulin targeted anti-cancer drugs". Dr. Bushra Ateeq from IIT, Kanpur gave his talk on "Molecular characterization of prostate cancer: Prospects of precision medicine in India". Dr. Susanta Samajdar from Aurigene, Bangalore gave a talk on "Overcoming various drug discovery challenges using targeted protein degradation (TPD) as new modality". Dr. Manas Kumar Santra from NCCS, Pune delivered a talk on "Development of synthetic compound to inhibit AKT signaling through targeting non-conventional site: Implication in cancer therapeutics"

The **technical session 4** started with the talk of Dr. Anurag Varshney from Patanjali Research Institute, Haridwar. He spoke on "Going beyond the roots: Pharmacological and toxicological assessments of Ashwagandha (Withania somnifera) aerial parts". Dr. Sandip B. Bharate from IIIM, Jammu delivered the talk on "Phytopharmaceuticals: A new hope for uplifting the traditional medicine in India". Dr. Mahendra Bishnoi from

NABI, Mohali delivered a talk on “Transient receptor potential (TRP) channel triagonist based combination nutraceuticals for obesity therapeutics”.

Every technical session ended with rich panel discussions where the doubts of the participants were cleared by the speakers.